युवा जीवन

जनवरी 2023

क्योंकि यीशु मेरी ढाल है

कोई हानि न होगी

प्रस्तावना।

नया रास्ता।

प्रिय युवा दिलों के लिए! आप सभी को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं!

इस नए साल में हमारे लिए नया रास्ते खोलने वाले परमेश्वर की स्तुति हो। कई बार आप सफल नहीं होने से थक जाते हैं क्योंकि आपके दिल की इच्छाएं पूरी नहीं हुई। इस नए साल में परमेश्वर आपको कई नई योजनाएं देगा, नए रास्ते खोलेगा और आपको सफल बनाएगा।

जब लाल समुद्र एक बड़ी बाधा था, तब परमेश्वर ने इस्राएल के लोगों के लिए एक मार्ग बनाया और उन्हें चलाया । उसी प्रकार वह आपके लिये एक ऐसा मार्ग निकालेगा जिसे आप नहीं जानते और वह आपकी अगुवाई करेगा।

हो सकता है कि आप पापों के गुलाम हो गए हों और अब तक आपने बहुत सी स्थितियों का सामना किया हो। परन्तु इस वर्ष प्रभु आपकी ओर से लड़ेगा और शत्रु के सब तीरों और हथियारों को नष्ट करेगा, जिन्होंने आपको निराश किया था।

"क्योंकि जिन मिस्रियों को तुम आज देखते हो, उन्हें फिर कभी न देखोगे।" इसलिए हताश न हों। क्योंकि प्रभु स्वयं तुम्हारे आगे आगे चलेगा। वह स्वयं आकर पीछे से आपकी रक्षा करेगा।

उस अधिकार का उपयोग करो जो परमेश्वर ने आपको दिया है, "देख, मैंने तुझे सांपों और बिच्छुओं को रौंदने का, और शत्रु की सारी सामर्थ्य पर अधिकार दिया है, और कोई किसी वस्तु से तुझे कुछ हानि न होगी। (लूका 10:19)।

साँप का चरित्र छल और कपट से काम लेना है। शैतान ही वह था जिसने हव्वा को धोखा दिया और उन्हें उनकी आशीष से वंचित कर दिया (उत्पत्ति 3:1-18)। लेकिन उसकी चाल अब आपके जीवन में काम नहीं कर पाएगी। तू शत्रु के सारे छल को रौंद डालेगा और नष्ट कर देगा। प्रभु ने तुम्हारे पाँवों तले उन सब बुरी सोच को कर दिया है जो शैतान ने तुम्हारी पवित्रता और बुलाहट के विरुद्ध रखी थी।

और साँप की एक और विशेषता, आप पर आरोप लगाना और आपको सबके सामने दोषी महसूस कराना है। माल्टा द्वीप पर एक साँप ने पौलुस के हाथ को काट लिया। इस बात ने तुरंत उस द्वीप के लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया कि पौलुस एक हत्यारा है। परन्तु पौलुस ने प्राणी को आग में झटक दिया। जब उसने पौलुस का हाथ पकड़ा, तो वह एक सांप था। परन्तु जब पौलुस ने उसे झाड़ दिया, तो उसने उसे कीड़े की नाईं झाड़ दिया (प्रेरितों के काम 28:1-7)। उसी प्रकार आप उसकी सारी चालों को इस हद तक परास्त कर दो कि शत्रु आपको छूने पर पछताए। इस नए साल में, नई शक्ति और नई दृष्टि के साथ एक नए धारदार हथियार के रूप में परमेश्वर के हाथ में काम करने के लिए खुद को प्रतिबद्ध करें।

आप 7 प्रकार की युवा पीढ़ी हैं जो परमेश्वर की भविष्यवाणी के अनुसार भूमि में उत्पन्न हुई हैं। (प्रार्थना करने वाली पीढ़ी, योद्धा पीढ़ी, भविष्यद्वाणी करने वाली पीढ़ी, सुसमाचार प्रचार करने वाली पीढ़ी, शक्तिशाली पीढ़ी, तसल्ली देने वाली पीढ़ी, और अद्भुत काम करने वाली पीढ़ी)।

प्रिय सेना !! आप जो सक्रिय रूप से इन अंतिम दिनों में परमेश्वर की जागृति का कार्य करते हो...कोई भी शत्रु उसे रोक नहीं सकता जो प्रभु आपके साथ करना चाहता है। आइए हम प्रभु की उस प्रतिज्ञा को थामे रहें जो उन्होंने हमें इस वर्ष दिया है। "यहोवा ने तुम्हारे न्याय दूर कर दिए हैं, उसने तुम्हारे शत्रुओं को दूर कर दिया है। इस्राएल का राजा, यहोवा तुम्हारे बीच में है; तुम फिर विपत्ति न देखोगे" (सपन्याह 3:15)।

यह आत्माओं की कटनी का वर्ष है !!!

मसीह के मिशन में।

अविनाश।

सीनै पर्वत।

एक दिवसीय उपवास प्रार्थना युवाओं के लिए!

हर साल दीवाली के दिन, परमेश्वर की कृपा से युवाओं के लिए एक दिन की उपवास प्रार्थना (सीनै पर्वत) आयोजित की जाती है। 2022 में, 3418 युवाओं ने भाग लिया और 6 स्थानों अर्थात् तमिलनाडु, पांडिचेरी आदि में राष्ट्र के लिए प्रार्थना की गई। इन सभाओं के माध्यम से, कई लोगों ने यीशु की तरह प्रार्थना करना सीखा और अपने क्षेत्रों, कॉलेजों और स्कूलों में प्रार्थना समूह की शुरूआत की । परमेश्वर ने उसी दिन में लगभग 6836 घंटे प्रार्थना करने का अनुग्रह दिया।

नोट: "युवाओं के एक समूह को एक प्रार्थना सेना के रूप में उठाना और प्रार्थना के साथ देश को ढाकना", हम प्रार्थना के साथ काम कर रहे हैं की यदि परमेश्वर ने चाहा तो वर्ष 2023 में तमिलनाडु के 38 जिलों में और आंध्र और पांडिचेरी में भी 40 स्थानों पर सीनै पर्वत प्रार्थना का आयोजित करें ।

प्रभु मेरी आशा है...

WORSHIP LEADER PASTOR Benz

पास्टर बेंज का जन्म एक हिंदू परिवार में हुआ था। उन्होंने मसीह को अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया और एक उपासक अगुवा और उपदेशक बन गए। आज वह एक पास्टर है जो हज़ारों लोगों को उद्धार की ओर ले जा रहे हैं। आइए उनसे बात करते हैं और जानते हैं कि उनकी जिंदगी में क्या बदलाव आए।

हमें अपने बचपन और परिवार के बारे में बताएं।

मेरा जन्म अरुमनाई में, कन्याकुमारी जिले में एक पारंपरिक हिंदू परिवार में हुआ था। मेरे दो भाई और दो बहने हैं। मेरे पिता खेती करते थे। चूंकि मेरे पिता को शराब पीने की आदत थी, इसलिए वह हमेशा घर में शराब पीकर आते थे। मैंने उन्हें कभी भी बिना पिए घर पहुंचते नहीं देखा। मेरे पिता की शराब की लत की वजह से मेरे परिवार को बहुत गरीबी का सामना करना पड़ा। मुझे आश्चर्य होता था कि एक बच्चा होते हुए मुझे ऐसे रास्ते से क्यों गुजरना और इसका बोझ सहना पड़ा। हालाँकि हमने अपने पिता को शराब पीने से रोकने के लिए बहुत प्रयास किए, लेकिन कुछ भी काम नहीं आया। ऐसे में मेरी एक बहन हमारे पड़ोस के घर में दादी के जरिए संडे स्कूल जाने लगी। एक दिन वह मुझे भी संडे स्कूल ले गई। इस तरह मैंने चर्च जाना शुरू किया।

ठीक है... आप वहां एक दादी के कारण गए थे... आपने अपने विश्वास को यीशु पर कैसे रखा?

जब मैं 7वीं कक्षा में था, मैंने चर्च में प्रार्थना की कि यदि मेरे पिता शराब पीना छोड़ दें तो मैं यीशु को सच्चे परमेश्वर के रूप में स्वीकार करूँगा।

उस दिन मेरे पिता घर नहीं आए। शराब की दुकान पर एक समस्या के कारण मेरे पिता को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और हिरासत में रखा गया और 8 दिनों के बाद रिहा कर दिया गया। जब वह घर आए तो उन्होंने हमें फोन किया और कहा, "आज से मैं फिर कभी नहीं पीऊंगा!" एक बार जब मैंने यह सुना, तो मुझे चर्च में की गई छोटी प्रार्थना याद आ गई। तबसे लेकर अब तक मेरे पिता कभी भी दुबारा शराब पीने की लत नहीं फंसे। इस बात ने मुझे यीशु में एक अटूट विश्वास दिया।

बहुत बढ़िया! आपकी प्रार्थना का उत्तर दिया गया... क्या आपने चर्च जाना जारी रखा? क्या आपने यीशु को स्वीकार किया?

हाँ, मैं नियमित रूप से चर्च जाने लगा। हमारे चर्च के पास्टर और मेरे संडे स्कूल के शिक्षक ने मुझे गाने के लिए प्रोत्साहित किया और मुझे बहुत सारी आध्यात्मिक बातें सिखाईं। मैंने सब कुछ उत्साह के साथ सीखा। मैं नियमित

रूप से चर्च जाने लगा। मैं धीरे-धीरे यीशु के प्रेम का अनुभव करने लगा और उसे अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार कर लिया।

अच्छा आप आकांक्षा से चर्च गए ... हमें अपनी स्कूली शिक्षा के बारे में बताएं।

मैंने 10वीं कक्षा में 155 अंक प्राप्त किए और 3 विषयों में फेल हो गया। मेरे पास्टर ने मुझे यह सुनिश्चित करने के लिए एक ट्यूशन में नामांकित किया कि मैं फेल पेपरों में उत्तीर्ण हो जाऊं। एक शिक्षक ने मुझे तीन दिन तक गणित पढ़ाया। उसने बहुत कोशिश की, फिर भी मुझे कुछ समझ नहीं आया। इसलिए, उन्होंने मेरे पास्टर को बुलाया और उनसे कहा कि मुझे पास करना असंभव है। फिर मेरे पास्टर ने एक प्रिंटिंग प्रेस में मुझे काम दिलवा दिया और मैंने वहाँ नौ महीने काम किया।

खैर.... एक प्रिंटिंग प्रेस में आपने काम किया... क्या आप अपनी पढ़ाई जारी रख पाए थे?

जब मैं प्रेस में काम कर रहा था, मेरे पास्टर ने मुझे चर्च ऑफ गॉड बाइबल कॉलेज में धर्मशास्त्र का अध्ययन करने के लिए एक भरा हुआ आवेदन पत्र भेजा। मैं बहुत खुश हुआ। लेकिन मेरे परिवार पर काफी कर्ज था और यह उम्मीद थी कि मैं इसे चुका दूंगा। इसलिए उन्हें मुझसे काफी उम्मीदें थीं। तब से मुझे भोजन जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने सहित कई समस्याओं का सामना करना पड़ा।

प्रभु के प्रेम के कारण सब कुछ सहते हुए, मैं बाइबल कॉलेज गया। एक पास्टर ने मुझे एक पुरानी कमीज और दो जोड़ी पैंट दी। मैंने खुद से कहा कि मैं अब भूखा नहीं मरूंगा और खुशी-खुशी कॉलेज में शामिल हो गया। चूँकि मैं गाँव में पला-बढ़ा हूँ, इसलिए शहर में पढ़ने का विचार मुझे उत्साहित करता था, लेकिन, मैंने कई समस्याओं के बीच अपनी शिक्षा पूरी की।

आपने कठिनाईयों के बीच अपना धर्मशास्त्र का अध्ययन पूरा किया... क्या आप हमें उस कठिनाई के बारे में बता सकते हैं जिससे आप गुज़रे हैं?

मेरे पास्टर मुझे हर महीने 100 रुपये देते थे। मैं उसी से अपनी जरूरी चीजें (साबुन, तेल... आदि) खरीदता था। एक महीने, मैंने वह पैसा एक मित्र को दिया जब उसकी दादी का निधन हो गया। मैं सभी आवश्यक चीजें समाप्त हो गई। मेरे पास उन्हें खरीदने के लिए पैसे नहीं थे। इसलिए जब तक अन्य छात्र नहा नहीं लेते थे मैं तब तक प्रतीक्षा करता और फिर मैं उनके बचे हुए साबुन का उपयोग करता। कपड़े धोने के लिए भी मैंने यही तरीका अपनाया। मैंने कभी भी परमेश्वर से सवाल नहीं किया कि उन्होंने मुझे उस दौर से क्यों गुजरने दिया।

मैंने एक हफ्ते के लिए एक पैंट और एक शर्ट का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। मैंने सभी से पेस्ट उधार लेकर एक सप्ताह तक काम चलाया। एक दिन जब मैंने बगल के कमरे में एक भाई से पेस्ट के लिए कहा तो उसने मुझे बहुत बुरी तरह गाली दी।

मैं इसे सहन नहीं कर सका, मैं अपने कमरे में आया और प्रार्थना की, "यीशु, मुझे यकीन नहीं है कि मेरे पास सेवा की बुलाहट है या मैं इसके योग्य हूं। लेकिन अगर आपने मुझे अपना सच्चा सेवक स्वीकार किया है, तो आज से लेकर मृत्यु तक मुझे किसी भी चीज के लिए लोगों से मांगना न पड़े।" जैसे ही मैंने अपनी प्रार्थना समाप्त की, मुझे रिसेप्शन से कॉल आया और उन्होंने मुझे 50 रुपये दिए।

जब मैंने उनसे इसका कारण पूछा, तो उन्होंने कहा, "यह वह भेंट है जो आपको गणपति में पास्टर जबराज की कलीसिया में अपनी गवाही साझा करने के लिए मिली है, जो एक विश्वासी ने दी है।" मैं खुशी-खुशी अपने कमरे में लौट आया, रास्ते में मेरे सिनियर, भाई एबेनेजर मुझसे मिले और उन्होंने मुझे अपनी जरूरी चीजों से भरा एक कार्टन बॉक्स दिया क्योंकि उन्होंने अपनी पढ़ाई छोड़ दी थी और शादी करने के लिए अपने गृहनगर जा रहे थे। उनसे मिले पेस्ट को मैंने तीन साल तक इस्तेमाल किया। मैंने इन्हें एक संकेत के रूप में लिया कि प्रभु ने मुझे पहले ही ठहराया था और मैंने विश्वास में बढ़ना जारी रखा। मैंने कई संघर्षों के बीच अपना 3 साल का कोर्स पूरा किया और स्नातक किया।

बढ़िया... आपने पढ़ाई की और अपनी डिग्री प्राप्त की। क्या आपने धर्मशास्त्र अध्ययन के ठीक बाद एक पास्टर के रूप में अपनी यात्रा शुरू की? आप कब पास्टर बने?

नहीं, मैंने जिस बाइबल कॉलेज में पढ़ाई की थी, उसमें मैंने वार्डन के रूप में काम किया। एक साल के बाद, मैं चेन्नई के माधवरम में चर्च ऑफ गॉड में सहायक पास्टर के रूप में शामिल हो गया। मेरे वहां जाने के बाद मेरा जीवन बदलने लगा। मेरे पास केवल रविवार को सेवकाई थी, और बाकी दिनों में मुझे केवल कभी-कभी प्रार्थना की अगुवाई करनी पड़ती थी। मैंने अपना

खाली समय में लगभग तीन महीने सोते हुए बिताए। इसलिए मैंने दूसरे चर्च में स्थानांतरण के लिए प्रार्थना की। तीन महीने के बाद मुझे त्रिची के एक चर्च में स्थानांतरित कर दिया गया। मैं वहां अकेला रह गया और मानसिक रूप से प्रभावित हो गया।

साथ ही मुझे पीलिया हो गया और मैं घर वापस आ गया। कई जगह इलाज कराने के बाद भी ठीक नहीं हुआ। उस दौरान मुझे एक परीक्षा में शामिल होने के लिए चर्च ऑफ गॉड से फोन आया। मैंने हर कीमत पर इसमें शामिल होने की योजना बनाई और कोयम्बटूर चला गया। मेरी सेहत ठीक नहीं थी। मुझे नहीं पता था कि कहां जाना है और क्या करना है। मैंने यीशु से प्रार्थना की कि मुझे क्या करना चाहिए।

फिर, जब मैं बाइबल कॉलेज में पढ़ता था, तो मैं प्यार से देखभाल करता और कोयम्बटूर में एक माँ से बात करता था जो एक दुर्घटना में शामिल थी। तो जो माँ मुझे जानती थी वह अप्रत्याशित रूप से वहाँ आ गई। मेरी हालत देखकर वे मुझे घर ले गए। मैं वहाँ सात दिनों तक बिस्तर पर पड़ा रहा।

सातवें दिन मैंने अपने आपको सँभाला और त्रिची के लिए निकल पड़ा। मैं दूसरों की मदद से ही बस में चढ़ पाया। मैं बस से उतर गया और एक कदम भी नहीं चल सका, बस आसमान की तरफ देखा और पूछा "प्रभु क्या आपने मुझे छोड़ दिया है।" किसी तरह मैं त्रिची के चर्च तक पहुंचने में कामयाब रहा। लेकिन मेरी स्थिति को देखते हुए मेरे चर्च के बुजुर्गों और विश्वासियों ने मुझसे कहा कि मैं अपने घर में आराम कर लूं और ठीक होने पर ही वापस आऊं। मैं घर नहीं जाना चाहता था, इसलिए मैं वापस कोयम्बटूर में उस माँ के घर चला गया। चूंकि मुझे ठीक होने में बहुत समय लगा, इसलिए संस्था ने मेरी जगह किसी और व्यक्ति को ले लिया।

उन्होंने मुझे किसी अन्य चर्च में सहायक पास्टर बनने के लिए कहा। मैं जिस मां के साथ रहता था, वह मुझे हर हफ्ते चर्च ले जाती और अस्पताल में मेरा इलाज भी कराती थी। मुझे हर दिन 22 गोलियां खानी पड़ती थीं, लेकिन फिर मैं मुश्किल से सो पाता था। इसी तरह, मैं 9 महीने तक बिस्तर पर पड़ा रहा और अंत में एक टेस्ट दिया। 3 दिन बाद जब हम रिजल्ट लेने गए तो डर गए। मेरे विस्मय के लिए सब कुछ सामान्य था !! उन्होंने मुझे और गोलियां न लेने के लिए कहा। इससे मुझे नई ताकत और प्रेरणा मिली।

इतना कष्ट सहने के बाद, क्या आपने अपनी सेवकाई फिर से शुरू की?

हां, मेरी देखभाल करने वाली मां ने पूछा कि क्या हम रत्नापुरी में एक घर में एक चर्च शुरू कर सकते हैं। जब मैंने संस्था से पूछा, तो उन्होंने इसे मंजूरी दे दी। मैंने तुरन्त सेवाएं शुरू कर दी। जब मैंने सेवकाई शुरू की तो मेरे अंदर की बीमारी गायब हो गई। हमने उस घर में 3 महीने तक आराधना की। उसमें पांच-छह लोग शामिल हुए। हर दिन जब मैं प्रार्थना करने के लिए घर की छत पर जाता हूं, तो मैं उसके बगल में एक छोटी सी खाली जगह देखता और कहता की "यीशु, इस जगह पर एक चर्च बनाएं" और सीधे उस जगह पर प्रार्थना करता। एक दिन एक अमीर भाई हमारी आराधना में आया और उस दिन का संदेश उसे छू गया।

उसने मुझे 25000 रुपये देने का वादा किया और अगले दिन 10000 रुपये दिए। हमने तुरंत निर्माण कार्य शुरू किया और दीवारों तक चर्च का निर्माण किया गया। उसके बाद हमारे पास फंड नहीं था, इसलिए वहां निर्माण रोक दिया गया। मैं आधे-अधूरे चर्च के बारे में सोचकर बहुत चिंतित था, एक दिन मैंने देखा कि लोग उस स्थान पर अपने कपड़े सुखा रहे हैं और इस से मुझे बहुत दुख हुआ। मैंने सुबह करीब साढ़े नौ बजे सीडी प्लेयर में "कलंगादे मगने, कलंगादे मगले..." गाना बजाया और साथ में प्रार्थना करने लगा। करीब 4 बजे मैंने किसी के दस्तक देने की आवाज सुनी। दरवाजे के बाहर एक इंजीनियर एक विश्वासी के साथ जो कलीसिया में आते थे खड़े थे । उन्होंने कहा, "पास्टर मैं बाकी का सारा काम पूरा कर दूंगा," और दस दिनों में निर्माण पूरा कर दिया। कई महीनों से सेवाएं निर्बाध और शांतिपूर्वक चल रही थीं।

बढ़िया... क्या उसके बाद सब कुछ सुचारू रूप से चला?

नहीं, एक समय के बाद, कई लोगों ने आवाज़ के बारे में शिकायत करना शुरू कर दिया और हमें जगह खाली करने के लिए कहा। उन्होंने सेवा के दौरान बड़े स्पीकरों का उपयोग करते हुए जोर-जोर से गाना भी बजाना शुरू कर दिया। चूँकि हमारे पास कलीसिया में माइक नहीं था, इसलिए विश्वासी यह नहीं सुन पा रहे थे कि मैं किस बारे में बात कर रहा हूँ। आराधना आमतौर पर ढाई घंटे तक चलती है।

इस दौरान वे स्पीकर में गाने बजाते रहते। लेकिन मैंने विश्वास नहीं खोया, अपनी प्रार्थनाओं में हम अंगीकार करने लगे, "यह आवाज बंद हो जाएगी, लेकिन हमारी आवाज कभी खत्म नहीं होगी!" उन्होंने तीन सप्ताह के बाद गाना बजाना बंद कर दिया।

अच्छा पास्टर , वह समस्या खत्म हो गई थी। उसके बाद चर्च कैसा चला?

वह समस्या हल हो गई थी। लेकिन एक नई समस्या शुरू हो गई। हमें घर देने वाले परिवार पर अचानक 25 लाख का कर्ज हो गया और उसे तुरंत घर बेचना पड़ा। एक खरीदार को वो घर 23 लाख का मिला और हमें घर खाली करना पड़ा। नया ठिकाना न मिलने पर हमने डेढ़ साल तक गौशाला में आराधना की। लगभग 150 विश्वासी हमारे चर्च में आने लगे।

हमें वहां भी समस्या हुई और उन्होंने हमें तीन महीने में खाली करने को कहा। मुझे नहीं पता था कि मुझे क्या करना चाहिए। हफ्ते दर हफ्ते परेशानी होती रही और हम उस बिंदु पर पहुंच गए जहां हमारे खिलाफ मामला दर्ज किया गया। इसलिए हमें वह जमीन भी खाली करनी पड़ी।

यह सुनकर बहुत दुख हुआ। आपने चर्च को कहाँ पुनर्स्थापित किया?

हमें तीन महीने तक आराधना करने के लिए कोई जगह नहीं मिली। जब मैं घुटनों के बल बैठकर प्रार्थना में परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं की घोषणा कर रहा था, तभी एक व्यक्ति आया और उसने हमें एक स्थान देने की पेशकश की। इतनी बड़ी भूमि को देखकर मुझे बहुत खुशी हुई और यह वह जगह है जहां अब हम सेवाएं संचालित कर रहे हैं।

यहां भी हमें कई दिक्कतों का सामना करना पड़ा। लेकिन परमेश्वर पिछले 15 सालों से इसे चला रहे हैं। इसके अलावा, परमेश्वर ने हमें 6 ब्रांच चर्च शुरू करने का अनुग्रह दिया। अब हमारे चर्च में 1000 से अधिक विश्वासी हैं। लेकिन हमारा दर्शन एक ही आराधना में 5000 विश्वासियों का है। इसके लिए हम लगातार प्रार्थना कर रहे हैं।

हमें अपनी शादी के बारे में बताओ?

मैं एक उपयुक्त साथी के लिए प्रार्थना करने लगा। परमेश्वर ने मेरी प्रार्थना सुनी और मुझे एक लड़की दी जो प्रभु के एक अच्छे सेवक के परिवार से प्रभु के लिए एक उत्साही सेविका है और जो अच्छी प्रार्थना करती है और हमने वर्ष 2008 में शादी कर ली। मेरी पत्नी अच्छा गाती और आराधना करती है। वह सेवा में हर तरह से मेरी मदद करती हैं। परमेश्वर ने हमें 2 बेटे भी दिए हैं और उनका उपयोग अपनी महिमा के लिए कर रहा है।

आप युवाओं के साथ क्या साझा करना चाहते हैं?

मैं एक ऐसा व्यक्ति था जिसे कोई नहीं चाहता था। मैं 10वीं में फेल हो गया था और सभी ने मुझे नकार कर दिया था। यदि परमेश्वर उस व्यक्ति को किसी ऐसे व्यक्ति में बदल सकता है जो हजारों लोगों के लिए उपयोगी पात्र बन सकता है, तो आप चाहे किसी भी स्थिति में हों, वह आपको ऊंचा उठा सकता है। लेकिन उसके लिए आपको संघर्ष से गुजरना होगा और खुद को परमेश्वर के सामने समर्पित करना होगा और प्रार्थना करनी होगी। बाइबल कहती है कि "सब को बढ़ाना और सब को सामर्थ्य देना तेरे हाथ में है।"

यहोवा ने आपको और मुझे मूर्खों के समान चुन लिया है कि बुद्धिमानों को लज्जित करे। इसलिए समस्याओं से विचलित न हों और प्रार्थना के साथ अपने संघर्षों का सामना करें। तभी परमेश्वर आपके द्वारा महान कार्य कर सकता है।

प्रिय नौजवानों! असंख्य लड़ाइयों, समस्याओं और बीमारियों के बावजूद, पास्टर बेंज़ ने परमेश्वर के प्रति प्रेम की दृष्टि से आगे की ओर दौड़ना चुना और आज हजारों आत्माओं को जीत रहे हैं। इसके अलावा, परमेश्वर उसका उपयोग सरकारी अधिकारियों, पास्टरों, शिक्षकों और अस्पतालों में भी परामर्श और सलाह देने के लिए कर रहा है। शपरमेश्वर के इस युवा सेवक पास्टर बेंज की तरह, क्या आप जागृति के इन दिनों में जोशीले युवकों की तरह उठेंगे?

परमेश्वर यहोवा आज आपकी ओर देखता है और यह कहते हुए आप से प्रतिज्ञा करता है, "हे मेरे पुत्र, हे मेरी पुत्री, मत घबरा, तुम फिर कभी विपत्ति न देखोगे" (सपन्याह 3:15)। हमारे देश ने पिछले वर्षों में कई आपदाओं को जैसे कि महामारी, मुद्रास्फीति, प्राकृतिक आपदाओं और समाज में होने वाली कई प्रकार की आपदाओं का सामना किया है। हम सभी उन आपदाओं से प्रभावित थे। शायद, उसके कारण, आपको अपने काम, पढ़ाई और अपनी सेवा में कुछ नुकसान का अनुभव हुआ हो। हालाँकि, प्रभु कृपापूर्वक आपको इन सब में से ले जाता है। लेकिन आप सोच भी सकते हैं कि यह नुकसान कितने दिनों तक रहेगा ! परमेश्वर यहोवा आपको प्रतिज्ञा दे रहा है, "मत घबरा, तुम फिर कभी विपत्ति न देखोगे।" ऐसी आपदाएँ क्यों होती हैं? इन सभी विपत्तियों के पीछे दुष्ट शैतान मुख्य कारण है।

ऊज़ देश में अय्यूब नाम एक पुरूष रहता था। वह एक प्रसिद्ध धनी व्यक्ति था। उसने अपने जीवन में कई आपदाओं का सामना किया जैसे दुःख, हानि, मृत्यु, शर्म और तिरस्कार। हालाँकि, उनमें से कोई भी आपदा ठहर ना सकी, क्योंकि परमेश्वर ने अय्यूब द्वारा झेली गई सभी विपत्तियों का अंत कर दिया था। उसके सारे कुटुम्बी उसके दुर्भाग्य के कारण उसे शान्ति देने आए थे (अय्यूब 42:11)। अय्यूब ने अपने जीवन में फिर से कोई विपत्ति नहीं देखी जब प्रभु ने उसके नुकसान को बहाल कर दिया, और प्रभु ने उसकी बंधुआई को बदलने के बाद उसे आशीष दी और उसे बढ़ाया। प्रभु ने शत्रु शैतान को अय्यूब को फिर से हानि पहुँचाने की अनुमति नहीं दी। इसके बाद अय्यूब एक सौ चालीस वर्ष जीवित रहा, और चार पीढ़ी तक अपने लड़केबालों और पोतों को देखने पाया, और बहुत बुढ़ापे में मर गया (अय्यूब 42:16, 17)। अय्यूब का परमेश्वर हमारा भी परमेश्वर है। वही आज आप पर दृष्टि करके कहता है, कि मैं तेरी विपत्ति को दूर करता हूं, कि तू फिर विपत्ति न देखे।

मेरे प्यारे नौजवानों! इस वर्ष 2023 में, शायद आप पर आपदाएँ आ सकती हैं, और यह आपके जीवन को तहस-नहस करने जैसा लग सकता है। लेकिन, यह आपको नष्ट नहीं कर सकेगा। प्रभु, जैसा कि उसने वादा किया है, आपको बचने के लिए अनुग्रह देगा और नुकसान से सुरक्षित रहेगा ताकि आप इसे देख न सकें। हम कुछ समय के लिए इस पर विचार करेंगे कि यह दुष्ट शैतान हमारे जीवन में किस प्रकार की आपदाएँ लाता है?

शैतान लोगों के द्वारा हानि पहुँचाता है!

शबाइयों ने उन (बैल और गधे) पर धावा बोल दिया और उन्हें ले गए - वास्तव में उन्होंने तलवार से सेवकों को मार डाला है; कसदियों ने तीन दल बान्धकर ऊँटों पर धावा बोल कर उन्हें ले गए, और तलवार

से तेरे सेवकों को घात किया (अय्यूब 1:15,17)। अय्यूब एक बहुत धनी व्यक्ति था जिसके पास भेड़, ऊँट, गाय-बैल और गदहे जैसे हजारों पशु थे, और उसके पास एक बहुत बड़ा घराना था (अय्यूब 1:3)। शैतान ने अय्यूब के विरुद्ध शबाइयों और कसदियों की भीड़ इकट्ठी की, और अकारण उसके सब कर्मचारियों को घात किया, और सब पशुओं को लूट लिया। इस प्रकार, शैतान दुष्ट लोगों को आपके विरुद्ध खड़ा करेगा और उनके द्वारा आपको हानि पहुँचाने का प्रयास करेगा।

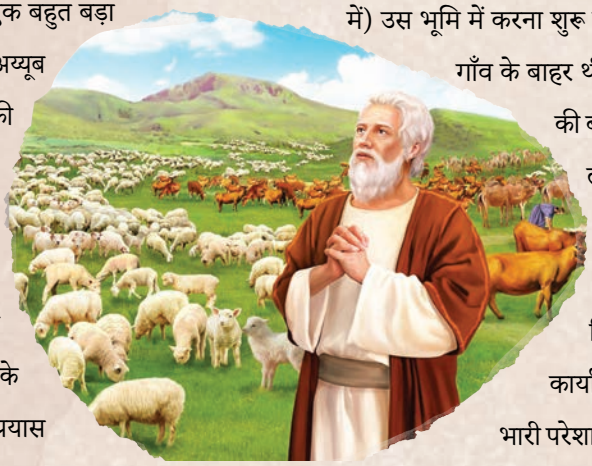

वह उन लोगों के माध्यम से आपको नुकसान पहुँचाने की कोशिश करेगा जो आपके रहने के स्थानों और कार्यस्थल पर आपके पड़ोसी हैं। लेकिन डरो मत! क्योंकि वे तुम्हारे विरुद्ध जो कुछ भी हानि की युक्ति करना चाहेंगे, वह तुम्हारे पास कभी न आएगा। वे आपका कुछ नहीं बिगाड़ सकते। कारण यह है कि प्रभु उस आपदा को बदलने के लिए पर्याप्त सामर्थी है कि हम उसे देख न सकें। अय्यूब का जीवन मनुष्यों द्वारा की गई बुराई से तबाह हो गया था।

अपमान हुआ! बदनामी हुई! अय्यूब ने विलाप किया और यह कहते हुए रोया, "मेरे मित्र मेरा तिरस्कार करते हैं, मेरी आँखों से परमेश्वर के लिए आँसू बहते हैं" (अय्यूब 16:20)। यहाँ तक कि अय्यूब के मित्रों ने भी उसका तिरस्कार किया और यह कहते हुए उस पर दोष लगाया, "यदि तू ने यहोवा का भय माना होता और सच में चला होता, और यदि वह तुम्हारे साथ होता, तो क्या यह सब तुम्हारे साथ होना था?" उन्होंने उसका तिरस्कार किया और उसके हृदय को घायल कर दिया। अय्यूब पर आई विपत्ति के कारण उसके भाइयों, रिश्तेदारों और परिचितों ने उससे घृणा की और उसे त्याग दिया (अय्यूब 19:13,19)। अय्यूब अकेला रह गया!

सन् 1980 में जो मेरी सेवकाई के शुरूआती वर्ष थे, प्रभु के आदेश के अनुसार, हमने परमेश्वर के घर का निर्माण (पहले निर्माण के रूप में) उस भूमि में करना शुरू किया जो हमारे पास कानूनी रूप से गाँव के बाहर थी जहाँ किसी के लिए कोई परेशानी की बात न थी, और जहां लगभग 5000 लोग एक साथ इकट्ठा होकर प्रार्थना कर सकते थे। इस बात को लेकर अचानक पड़ोस के गांव के लोगों ने विरोध शुरू कर दिया। उन्होंने कलेक्टर कार्यालय व थाने को शिकायती पत्र देकर भारी परेशानी खड़ी कर भवन निर्माण को रोकने का प्रयास किया.

एक दिन, जब मैंने पूछताछ की, "ये लोग हमसे बिना किसी कारण के नफरत क्यों करते हैं, हमारे खिलाफ उठते हैं और नुकसान पहुंचाते हैं?" तो यह पता चला कि उस क्षेत्र के एक धनी व्यक्ति ने दुष्ट हृदय के साथ उस गाँव के लोगों को मेरे खिलाफ उकसाया कि वे किसी भी तरह इस सेवा को नुकसान पहुँचाएँ, और भवन के निर्माण को रोक दें। उन्होंने इसे चुनौती दी और इसके लिए गहनता से काम किया। लगभग एक साल से रुकावट थी! कठिनाई थी! दु: ख था! कारण था, ईर्ष्या जो उस आदमी के मन में थी! धर्म के प्रति अनुराग ! इस बात की वजह से उस वक्त मेरा मन थोड़ा भारी था। एक दिन जब मैं परमेश्वर की उपस्थिति में प्रार्थना कर रहा था, तो उन्होंने मुझे एक वचन दिया, "बेटा, किसी चीज से मत डरो! मैं इस सारी आपदा को दूर कर दूंगा।" जैसा कि मैंने उस वादे के साथ प्रार्थना करना जारी रखा जो उसने दिया है, एक दिन उसने कहा, "बेटा, वह विपत्ति समाप्त हो गई है; तुम फिर विपत्ति नहीं देखोगे। काम शुरू करो।" उस अनुसार हमने बड़े साहस के साथ काम फिर से शुरू किया। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि उस

दुष्ट व्यक्ति का क्या हुआ? उस आदमी ने अपनी सारी संपत्ति खो दी, वह जो व्यापार कर रहा था, उसे खो दिया, उसे अपमानित किया गया, गाली दी गई और अंत में वह इस दुनिया से गायब हो गया।

मेरे प्रियों! क्या कोई आपको परेशान कर रहा है आपके रहने की जगह पर, या आपके काम की जगह पर, या उस जगह पर जहाँ आप व्यापार करते हैं, या उस जगह पर जहाँ आप सेवकाई कर रहे हैं? परेशान मत हो! वे लुप्त हो जाएंगे।

शैतान प्रकृति के द्वारा विपत्तियाँ लाता है!

दुष्ट शैतान कभी-कभी आपदा पैदा करने के लिए हमारे विरुद्ध प्रकृति का उपयोग करता है। यद्यपि प्रकृति जैसे सूर्य, चंद्रमा, समुद्र, हवा, वर्षा और तारे परमेश्वर के नियंत्रण में हैं; मगर, दुष्ट शैतान कभी-कभी हमारे खिलाफ प्रकृति का उपयोग करने के लिए परमेश्वर से अधिकार प्राप्त करके हमारे खिलाफ उठता है। कारण यह है कि वह प्रकृति को अपने आप संचालित नहीं कर सकता। जब प्रभु अनुमति देता है तभी वह प्रकृति को संचालित कर सकता है।

बाइबल बताती है कि, "परमेश्वर की आग स्वर्ग से गिरी और (अय्यूब के) भेड़-बकरियों और सेवकों को जलाकर भस्म कर दिया; और जंगल के पार से एक प्रचण्ड वायु चली, और घर के चारों कोनों को ऐसा मारा कि वह (अय्यूब के) जवानों पर गिर पड़े, और वे मर गए" (अय्यूब 1:16,19)। प्रभु कभी-कभी पृथ्वी पर अपने न्याय को क्रियान्वित कर सकता है। सुनामी, तूफान, भूकंप, बाढ़ और अकाल जैसी आपदाओं की अनुमति दी जा सकती है। हालांकि, शैतान हमारे खिलाफ इसका इस्तेमाल करने की साजिश रचता है।

इन भयानक अंत समयों में, बड़ी बाढ़, आग, विशाल चक्रवात, अकाल, महामारियाँ और युद्ध जैसी विभिन्न आपदाएँ घटित होंगी। मगर, प्रभु आपको एक प्रतिज्ञा देता है, "मेरे बेटे, मेरी बेटी, चाहे तुम्हारे चारों ओर विपत्तियाँ हों, फिर भी तुम उस विपत्तियाँ को फिर नहीं देखोगे।"

संयुक्त राज्य अमेरिका में कैलिफोर्निया राज्य के लॉस एंजिल्स शहर में गर्मियों के दौरान गर्मी बहुत भयानक होती है।

उस समय, आग जंगलों को अपनी चपेट में ले लेती है और अपने आप आस-पास के शहरों में फैल जाती है और भयानक नुकसान पहुँचाती है। यदि एक घर में आग लग जाती है, तो बाकी सभी घर भी जल्दी से जल जाते हैं। क्योंकि वहाँ की जलवायु परिस्थितियों के अनुसार मकान की नींव ही पक्की होती है; बाकी सब लकड़ी से बनाया गया है। वहां के एक पहाड़ी इलाके में ऐसे कई घर थे। तमिलनाडु का एक विश्वासी परिवार था जिसने उसी तरह अपना घर बनाया और वहीं रह रहे थे; प्रभु की सेवा कर रहे थे।

एक बार, जब जंगल की आग ने उस क्षेत्र को घेर लिया और फैल रही थी, तो पुलिसकर्मी आए और उन्हें अपने घर से तुरंत एक अलग क्षेत्र में जाने का निर्देश दिया। लेकिन, विश्वासियों का वह परिवार तुरंत अपने घर से नहीं निकला, बल्कि उन्होंने प्रभु के चेहरे को देखा और प्रार्थना की, "परमेश्वर, इस घर की रक्षा करें जो हमारा है, हम जो आपके बच्चे हैं। इस विपत्ति को घर को छूने न दें।" उन्होंने बाद में दूसरों की तरह घर खाली कर दिया। आग फैलती चली गई और उस क्षेत्र के सभी घर जल कर राख हो गए। फिर भी, केवल विश्वासी परिवार का घर ही आग से बचा रहा। जब फायर ब्रिगेड आई तो एक ही घर बचा देख वे हैरान रह गए। देखो, परमेश्वर ने उस विपत्ति को उस घर के

निकट न आने देकर उसकी रक्षा की। विश्वासी परिवार ने इसके लिए प्रभु का धन्यवाद किया।

मेरे प्रिय! प्रभु कितना अद्भुत है! आपके आसपास चाहे कोई भी विपत्ति आए, वह आपको नुकसान नहीं पहुंचाएगी। कारण है, कि परमेश्वर कहते हैं, "आप विपत्ति को और नहीं देखेंगे।" भले ही आपके आसपास महामारी हो, आपके परिवार की रक्षा की जाएगी! भले ही भूकंप के कारण आपके आसपास नुकसान हो, आप बच जाएंगे! हालाँकि कई प्रकार के खतरे और बुराई आपके चारों ओर बढ़ती है, फिर भी आप कोई विपत्ति नहीं देखेंगे! यह वह प्रतिज्ञा है जो प्रभु आज आपको देता है। इसलिए, इस वचन को दृढ़ता से थामे रहो जो प्रभु ने दिया है।

शैतान सीधा नुकसान करता है!

तब शैतान यहोवा के साम्हने से निकला, और अय्यूब को पांव के तलवे से ले सिर की चोटी तक बड़े बड़े फोड़ों से पीड़ित किया। और उसने राख में बैठकर अपने आप को खुजलाने के लिये एक ठीकरा लिया (अय्यूब 2:7,8)। दुष्ट शैतान भी सीधे आकर हमें हानि पहुँचाता है।

शैतान सीधे आया और अय्यूब को पांव के तलुए से लेकर सिर की चोटी तक घातक फोड़ों से पीड़ित किया। अय्यूब राख में बैठ गया, और उसके पास कपड़े भी नहीं थे, और कमर में केवल एक अंगोछा बन्धा हुआ था। इसी तरह, शैतान सीधे आपके पास आएगा और आपके पैर की नस में बीमारी लाने की कोशिश करेगा। एक भाई लकवे से पीड़ित था। उसकी सभी उंगलियां और पैर की उंगलियां मुड़ी हुई थीं। वे लगभग 18 वर्षों से अपने पूरे शरीर की सभी हड्डियों और जोड़ों में असहनीय दर्द से पीड़ित थे। कई डॉक्टरों से सलाह लेने और कई इलाज कराने के बाद भी कोई फायदा नहीं हुआ।

उसे यह कहकर घर भेज दिया गया, "यह ठीक नहीं हो सकता। इसके अलावा, यदि आप इस बीमारी को बढ़ाना नहीं चाहते हैं, तो हम इसकी दवा देंगे, जिसे मृत्यु के दिन तक लेना होगा।" उसका दिल बहुत टूटा हुआ था। एक दिन वे अपने परिवार के साथ हमारा टेलीविजन कार्यक्रम देख रहे थे। प्रार्थना के समय में, जब उन्होंने यह सुना, "यदि आप विश्वास के साथ प्रार्थना करते हैं, तो रोग कितने भी लंबे समय तक क्यों न हो, प्रभु इसे बदल सकते हैं।" जैसे ही उसके परिवार के सभी सदस्यों ने उसके सिर पर हाथ रखा और यीशु मसीह के नाम से प्रार्थना की, एक दुष्ट अशुद्ध आत्मा जो भाई के शरीर के अंदर थी, उसे छोड़ दिया। उसी क्षण, उनका 18 साल का लकवा पूरी तरह से ठीक हो गया था। जब उस आत्मा ने उसे छोड़ा तब उसने अपनी चमत्कारी चंगाई प्राप्त की।

इस प्रकार शैतान हमारे लिए बीमारियाँ लाकर हमें गतिहीन करने की कोशिश करता है। शायद आज आप भी दमा या पेप्टिक अल्सर या कैंसर या चर्म रोग या अन्य असाध्य रोगों से प्रभावित और पीड़ित हैं। या, हो सकता है कि शैतान ने आपको सीधे तौर पर किसी बीमारी से मारा हो, जैसे कि दुर्बलता की आत्मा ने यीशु के समय में रहने वाली एक महिला के साथ किया था, जो कुबड़ी थी और 18 साल से बंधी हुई थी और किसी भी तरह से खुद को उठा नहीं सकती थी। या, शैतान आपकी नींद को खराब करके और अवसाद और परेशानी से आपकी शांति को भंग करके आपको भय में रखने के लिए आपके विरुद्ध काम कर सकता है। परन्तु, यहोवा तुम्हारी ओर देख रहा है और तुम्हें प्रतिज्ञा दे रहा है, "घबराओ मत, तुम फिर कभी विपत्ति न देखोगे।"

मेरे प्रिय! आज यदि आप विश्वास करते हैं कि "प्रभु ने मेरे लिए क्रूस पर हानि उठाई! उसने शैतान की शक्ति को नष्ट कर दिया है। उसने मेरे सारे पापों और क्रूसों को उठाना समाप्त कर दिया है। मैं अब और विपत्ति नहीं देखूंगा!

यीशु मसीह मुझे स्वतंत्र करेगा!!" आप छुड़ाए जाएंगे। इस दिन से, आप फिर कभी विपत्ति नहीं देखोगे; आप इस वर्ष भलाई देखोगे।

स्कूल और कॉलेज की सभाएँ.

वर्ष 2020-2021 में ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई कि कोरोना के कारण स्कूलों और कॉलेजों में जाकर सुसमाचार का प्रचार करना संभव नहीं हो सका। लेकिन 2022 में, परमेश्वर ने तमिलनाडु के कई जिलों के स्कूलों और कॉलेजों में जाने और 35,000 से अधिक छात्रों को सुसमाचार का प्रचार करने का अनुग्रह दिया। कई छात्र आते हैं और पढ़ाई में अपनी समस्याओं के बारे में प्रार्थना करते हैं।

कुछ स्कूलों ने प्रेयर सेल शुरू कर दिए हैं और स्कूल के आशीष के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप, कई छात्रों ने संकल्प लिया है कि वे अपनी पढ़ाई पर ध्यान देंगे और सोशल मीडिया पर समय बर्बाद नहीं करेंगे। परमेश्वर को महिमा मिले!

नोट: यदि आप चाहते हैं कि हम आपके स्कूल और कॉलेजों में इस तरह की प्रेरक कक्षाएं लें या सभाएँ करें, तो संपर्क करें - 9750955548.

इग्नाइटर्स कैंप

जैसा कि प्रभु ने आने वाले महान जागृति में उपयोग करने के लिए 7 प्रकार की युवा पीढ़ियों को तैयार करने का वादा किया, वर्ष 2021 और 2022 में तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, उत्तर भारत, पूर्वी भारत और आंध्र प्रदेश के राज्यों से 9 हजार से अधिक युवाओं को आमंत्रित किया गया था और उनके लिए रिवाइवल इग्नाइटर्स शिविर आयोजित किया गया था।

इन प्रशिक्षण शिविरों में भाग लेने वाले युवकों को परमेश्वर की आत्मा ने छुड़ाया और वे उसकी शक्ति से भर गए। जब हमारे भाई मोहन सी. लाज़रस ने आत्मिक जागृति के लिए प्रार्थना करने की आवश्यकता और सुसमाचार प्रचार के महत्व के बारे में समझाया और प्रार्थना की, तो प्रभु ने सभी युवाओं को प्रार्थना की आत्मा और आत्माओं के बोझ से भर दिया।

बहुत से लोग युद्ध के अभिषेक से भर गए, जब भविष्यवक्ता विन्सेंट सेल्वाकुमार ने भविष्यवाणी और योद्धा पीढ़ियों के बारे में साझा किया और प्रार्थना की अगुवाई की। युवा लोगों के इन सभाओं में भाग लेने और सुसमाचार प्रचार करने के लिए अपने क्षेत्रों में जाने के परिणामस्वरूप 7,50,000 आत्माएँ के पास पहुंच सके और केवल इस वर्ष में ही 3,18,351 घंटे प्रार्थना की जा सकी है।

REVIVAL IGNITERS

REVIVAL IGNITERS

प्रार्थना गाईड

ड्रग्स

* न्यायालय के आदेश के अनुसार पिछले 6 महीनों में चेन्नई में बेचे गए 1950 किलोग्राम अवैध ड्रग्स को भांग सहित नष्ट कर दिया गया।

* जनवरी से अक्टूबर तक, अवैध नशे की गोलियां बेचने के 25 मामले दर्ज किए गए और उनमें से 42,302 जब्त किए गए।

* वर्ष 2021 में, 1460 किलोग्राम भांग, 4.02 किलोग्राम मेथामफेटामाइन और एफेड्रिन, 5,949 नशे की गोलियां जब्त की गईं।

* वर्ष 2022 में, 1557 किलोग्राम भांग, 24.6 किलोग्राम मेथामफेटामाइन और एफेड्रिन जब्त किया गया।

* 10 महीने में, 1557 किलोग्राम भांग, 25 किलोग्राम ड्रग्स और 42,000 नशे की गोलियां जब्त की गईं।

प्रार्थना के विषय

1. आइए हम नशा के पूर्ण नाश के लिए और यह राष्ट्र नशा मुक्त राष्ट्र बनने के लिए प्रार्थना करें।

2. आइए हम प्रार्थना करें कि नशा करने वालों को सजा मिले और सरकार इस पर प्रतिबंध लगाए।

3. नशीली दवाओं के प्रयोग से लोग बीमार पड़ते हैं और मरते हैं। आइए हम प्रार्थना करें कि ये मौतें रुकें।

4. नशे की लत के कारण परिवारों की शांति छिन जाती है। आइए हम प्रार्थना करें कि परिवारों को शांति मिले।

5. हम प्रार्थना करें कि नशा बेचने वालों पर उचित कार्रवाई की जाए।

शराब

* भारत में 16 करोड़ शराबी हैं। 95% पुरुष जो 18 से 49 वर्ष के आयु के हैं शराब पीते हैं। लोग हर साल 600 करोड़ लीटर शराब का सेवन करते हैं।

* कई राज्यों में शराब खरीदने के लिए लोगों की लाइन लग जाती है जैसे दवा खरीदने के लिए लाइन लगती है।

* देश के कई गांवों में अवैध शराब की बिक्री जोरों पर है। अवैध शराब पीने से 5 साल में 6000 लोगों की मौत हो चुकी है।

* पिछले 3 साल में महिलाओं में शराब की खपत बढ़ी है। राजधानी दिल्ली में शराब पीने वाली महिलाओं की संख्या में 37 फीसदी का इजाफा हुआ है। अध्ययन में सामने आया है कि कोरोना के बाद पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की पीने की आदत ज्यादा बढ़ रही है।

* देश में हर साल करीब 3.8 लाख करोड़ रुपये की शराब बिकती है।

प्रार्थना के विषय

1. आइए हम 16 करोड़ शराबियों के उद्धार के लिए प्रार्थना करें।

2. आइए हम प्रार्थना करें कि वे 95% पुरुष जो कम उम्र में शराब के आदी हैं इस आदत से बाहर आ जाएं।

3. आइए हम प्रार्थना करें कि देश से अवैध शराब को पूरी तरह से खत्म किया जाए और मौतों को रोका जाए।

4. आइए प्रार्थना करें कि सरकार को यह महसूस हो कि शराब देश के लिए अभिशाप है और शराब की दुकानों को बंद कर दें।

स्कूल से ड्रॉपआउट (छोड़ना)

* हमारे देश में एक ऐसी स्थिति है जहां कई डिग्री और कोर्स उपलब्ध हैं, लेकिन हमारे देश में बहुत सारे कोर्स, डिग्री और डॉक्टरेट प्रोग्राम करने के बाद भी कोई नौकरी नहीं है। केवल पिछले साल ही 20,000 से अधिक स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

* हमारे देश में 14.89 लाख स्कूल हैं। 25.57 करोड़ छात्र पढ़ रहे हैं और 95.07 लाख शिक्षक हैं। छात्रों की ड्रॉपआउट(छोड़ना) दर लगभग 14.6% है।

* 42 करोड़ लोग गरीबी रेखा से नीचे हैं। 35.7% पुरुष छात्र और 21.4% महिला छात्र अपनी पढ़ाई में रुचि नहीं रखते हैं।

* यूनिसेफ की रिपोर्ट है कि घरेलू काम करने के लिए 33% छात्राएं बीच में ही स्कूल छोड़ देती हैं और 25% छात्राएं शादी करने के लिए बीच में ही पढ़ाई छोड़ देती हैं।

* परिवार में गरीबी, फीस देने में असमर्थता, पढ़ाई के लिए लंबी दूरी तय करना, पढ़ाई में मन न लगना, घर के घरेलू कामों में जाना, बाल विवाह, कर्ज की समस्या आदि के कारण छात्राओं ने अपनी पढ़ाई छोड़ दी।

प्रार्थना के विषय

1. आइए हम प्रार्थना करें कि देश के सभी स्कूल अच्छे से कार्य करें और अच्छे शिक्षकों द्वारा पढ़ाया जाए।

2. आइए हम प्रार्थना करें कि सरकार उन छात्रों को अपनी पढ़ाई जारी रखने के अवसर प्रदान करे, जो विभिन्न कारणों से अपनी पढ़ाई छोड़ देते हैं।

3. आइए हम प्रार्थना करें कि बंद स्कूल खुल जाएं और बिना किसी प्रचारात्मकता के सही तरीके से शिक्षा दी जाए।

4. आइए हम प्रार्थना करें कि पढ़ाई छोड़कर काम पर जाने वाले छात्रों को सरकारी कल्याणकारी योजनाएं प्रदान की जाएं, ताकि वे अपनी पढ़ाई जारी रख सकें।

एक साथ रहना

* 1970 के दशक में पश्चिमी देशों में एक साथ रहना व्यापक रूप से प्रचलित था। यह एक रिश्ते में डेटिंग का अगला कदम था।

* आजकल कई महिलाएं शादी को अनावश्यक मानती हैं। विवाह में अपने परिवारों में महिलाओं द्वारा अनुभव किए जाने वाले दुर्व्यवहार एक सामान्य कारण हैं जो महिलाओं को एक साथ रहने वाले रिश्ते को चुनने के लिए प्रभावित करते हैं।

* यह संस्कृति चेन्नई, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और दिल्ली जैसे महानगरों में युवाओं के बीच आम है।

* एक साथ रहना कॉलेज के छात्रों और कामकाजी युवाओं के बीच प्रचलित है। कुछ अपने माता-पिता को सूचित करते हैं। कुछ अपने माता-पिता से अपने प्रेम संबंध को छुपाते हैं और उन्हें तभी सूचित करते हैं जब उनका प्यार बना रहता है और वे शादी करना चाहते हैं।

* इन दिनों कई हत्याएं की कड़ी एक साथ रहने वाले जोड़ों से जुड़ी हुई हैं। अनगिनत महिलाएं इस जीवनशैली से प्रतिकूल रूप से प्रभावित हैं।

प्रार्थना के विषय

1. आइए हम प्रार्थना करें कि हमारे देश में एक साथ रहने की पश्चिमी संस्कृति को पूरी तरह से मिटा दिया जाए।

2. आइए हम महिलाओं के लिए प्रार्थना करें कि उनकी दिल की आंखें ज्योतिर्मय हों और वे सांस्कृतिक अवसाद द्वारा दूर न हों जाएं।

3. आइए हम महिलाओं के लिए प्रार्थना करें कि वे प्रार्थना करें और अपने साथी का चुनाव बुद्धिमानी से करें।

4. आइए हम उन पुरुषों और महिलाओं के लिए जिनका जीवन बर्बाद हो गया है, साथ ही उनके पश्चाताप के लिए भी प्रार्थना करें।

इग्नाइटर्स की मासिक संगति - 2022।

युवाओं को उनके आध्यात्मिक जीवन में सशक्त बनाने के लिए, जवानों की सेवकाई के माध्यम से हर महीने तमिलनाडु के 30 स्थानों और कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और मुंबई जैसे अन्य राज्यों में 7 स्थानों पर मासिक बैठक आयोजित की जाती है। इसमें लगभग 2000 युवाओं ने भाग लिया और आध्यात्मिक जीवन में मजबूत हो रहे हैं। यह अवसर कई किशोरों को अपने पवित्र जीवन में मजबूत होने और परमेश्वर के साथ बात करने और संवाद करने का अनुभव प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करता है।

हर महीने के आखिरी रविवार को सोशल मीडिया पर प्रसारित लाइव जवानों की

सभा में 3000 से ज्यादा युवा रिवाइवल इग्नाइटर्स से जुड़ते हैं। हर महीने प्रभु युवाओं से बात करते हैं। प्रभु प्रार्थना करने वाले युवाओं को खड़ा रहे हैं। वे 50 करोड़ दर्शन के लिए भी प्रार्थना करते हैं। प्रत्येक 5वें रविवार को हिन्दी कार्यक्रम सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारित किया जाता है। इसके माध्यम से हिंदी भाषी युवा भी जागृति के दर्शन को प्राप्त कर रहे हैं और इसके लिए प्रार्थना कर रहे हैं। हर महीने 750 से ज्यादा युवा इससे जुड़ते हैं।

उध्दार न पाए हुए जवानों ने उध्दार पाया और वे आज गवाह के रूप में उठे हैं। परमेश्वर को महिमा मिले!

नोट: हर महीने जिन जगहों पर यह सभा होती है, उसका विवरण पिछले पेज पर दिया गया है। शामिल होना न भूलें।

यूथ वर्ल्ड टीवी कार्यक्रम।

वर्ष 2000 से, टेलीविजन कार्यक्रम "वालीबर उलगम" को सत्यम टीवी पर साप्ताहिक रूप से शनिवार को सुबह 6:30 बजे प्रसारित किया जाता है ताकि उन किशोरों को सुसमाचार सुनाया जा सके जो यीशु को नहीं जानते हैं।

किशोरों की समस्याओं को हल करने के लिए गवाहियाँ, गीत, "सत्य को जानो" परामर्श कार्यक्रम, स्वस्थ रहने के लिए किशोरों के लिए फिटनेस वीडियो, किशोरों का मार्गदर्शन करने के लिए स्कूल और कॉलेज के छात्रों से सीधे साक्षात्कार और उनकी समस्याओं को हल करने के लिए लघु फिल्में भी उसी कार्यक्रम में प्रस्तुत की जाती हैं। युवाओं को अपना सही भविष्य चुनने के लिए सफल व्यवसायियों, व्यापारियों, कॉलेज के प्रधानाध्यापकों, आईटी कंपनी प्रबंधकों आदि के परामर्श करियर मार्गदर्शन वीडियो के रूप में प्रकाशित किया जाता है।

2020 जनवरी से अक्टूबर तक यु ट्यूब के माध्यम से 6 लाख और फेसबुक के माध्यम से 3 लाख लोगों ने हमारे यूथ वर्ल्ड कार्यक्रम को देखा और लाभान्वित हुए।

सत्यम टीवी पर हर सप्ताह कार्यक्रम देखकर 10 लाख लोगों ने आशीष प्राप्त कि है। परमेश्वर के नाम की महिमा हो।

नोट: यदि आप अपनी गवाही 3 मिनट के वीडियो या लिखित प्रारूप में भेजते हैं तो हम आपसे संपर्क करेंगे।

उत्तर भारत और पूर्वी भारतीय राज्य।

लगभग 1,959 युवाओं ने उत्तर और पूर्व भारत के लिए 2021 रिवाइवल इग्नाइटर्स कैंप में भाग लिया और अपने शहर के बारे में उनके दिल में एक नया दर्शन और बोझ प्राप्त किया। परमेश्वर की कृपा से इस वर्ष इन युवाओं के लिए अनुवर्ती सभाएँ आयोजित की गईं।

परमेश्वर की कृपा से जून के महीने में हम झारखंड राज्य में 310 जवान लोगों को इकट्ठा करने में सक्षम रहे। परमेश्वर ने हमें इन जवान लोगों को उत्साहित करने और उनके राज्य के लिए बोझ के साथ प्रार्थनाओं में मार्गदर्शन करने में मदद की और आगे चलकर वे अंततः सुसमाचार को फैलाने के लिए प्रेरित हुए।

अक्टूबर के महीने में पंजाब और हरियाणा राज्यों से 390 से अधिक युवा एकत्रित हुए थे। उन्हें परमेश्वर के साथ अपने रिश्ते में मज़बूत बने रहने के लिए प्रेरित किया गया। परमेश्वर ने उन्हें आने वाली जागृति के लिए अपने शहरों को तैयार करने के लिए एक नया बोझ दिया।

उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, बिहार और पश्चिम बंगाल राज्यों से 607 युवा और 125 पासवान नवंबर के महीने में एकत्रित हुए और परमेश्वर ने उन्हें अपने शहरों को विरासत में लेने, लड़ने और प्रार्थना करने और प्रचार के काम में अथक परिश्रम करने के लिए प्रोत्साहित करने की कृपा की।

इस अनुवर्ती कार्य के परिणामस्वरूप 305 प्रार्थना समूह शुरू किए गए हैं और उन्होंने अपने शहरों कि जागृति के लिए प्रार्थना करना शुरू कर दिया है। अब तक उन्होंने 23,782 घंटों के लिए प्रार्थना की है। इसके अलावा 2,526 युवाओं में सुसमाचार भी फैलाया गया था। परमेश्वर की महिमा हो!

वर्ष 2022 की फसल।

हर साल जनवरी और फरवरी के महीने में परीक्षा देने वाले छात्रों (विजेताओं) के लिए एक विशेष सभा आयोजित की जाती है। इस वर्ष भी यह नलुमवाड़ी, वेल्लोर और मदुरै में आयोजित किया गया था। इसमें सैकड़ों छात्रों ने भाग लिया और गवाही दी कि उन्होंने परीक्षा के डर से छुटकारा पाकर आत्मविश्वास के साथ परीक्षा दी।

नालुमावाड़ी, तिरुपुर, चित्तूर पुत्तूर, मदुरै और मुंबई में युवा पुनरुद्धार प्रार्थनाएँ आयोजित की गईं। इस सभा के माध्यम से तमिलनाडु, आंध्र और महाराष्ट्र के युवाओं को परमेश्वर की ओर मोड़ने के लिए परमेश्वर कृपा कर रहे हैं। इसके अलावा, परमेश्वर ने भाई मोहन सी लाजर को जो दर्शन दिया है, उसके अनुसार परमेश्वर ने उन लोगों के लिए जो आने वाले टीएनपीएससी और यूपीएससी जैसी सरकारी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, एक परामर्श सभा आयोजित करने के लिए परमेश्वर ने कृपा प्रदान की। लगभग 2000 लोगों ने इस सभा में भाग लिया और "उन परीक्षाओं की तैयारी कैसे करें, छात्रवृत्ति के रूप में उच्च शिक्षा में अवसर" आदि के बारे में जाना।

जनवरी से अक्टूबर 2022 तक , परमेश्वर ने विजेताओं, युवा जागृति प्रार्थनाओं, माउंट सिनाई, वर्किंग हैंड्स, विलेज मिनिस्ट्री, ट्रैक्ट मिनिस्ट्री और स्कूल और कॉलेज की सभाओं के माध्यम से 7,93,303 लोगों को सुसमाचार सुनाने और 3,18,351 घंटे प्रार्थना की कृपा प्रदान की।

HAPPY
LABOUR DAY

यूथ वर्ल्ड पत्रिका।

तमिल, अंग्रेजी, हिंदी।

यूथ वर्ल्ड पत्रिका बनाने में इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रभु लेखकों, अनुवादकों और डिजाइनरों की एक टीम की मदद कर रहा है।

इस पत्रिका की गवाहियाँ अन्यजातियों को परमेश्वर के बारे में जानने में मदद करती हैं, लेख और जागृति संदेश युवाओं को आध्यात्मिक रूप से बढ़ने में बहुत मदद करते हैं। परमेश्वर की महिमा हो।

यीशु छुड़ाता है सेवकाई के माध्यम से, जून 2009 से "यूथ वर्ल्ड" नामक एक मासिक पत्रिका प्रकाशित करने के लिए परमेश्वर की कृपा रही है। 12 वर्षों से प्रभु अपनी महान कृपा से इसका नेतृत्व कर रहे हैं।

हजारों किशोर सदस्य के रूप में शामिल हो गए हैं। परमेश्वर किशोरों के लिए उपयुक्त तरीके से हर महीने प्रत्येक विषय को प्रकाशित करने में मदद कर रहे हैं।

पिछले 8 वर्षों से, तमिल पाठकों को छोड़कर अंग्रेजी पाठकों के लिए अप्रैल 2014 से "युवा जीवन" नामक एक मासिक अंग्रेजी पत्रिका प्रकाशित करने के लिए परमेश्वर कृपा प्रदान कर रहे हैं।

अक्टूबर 2021 से, हिंदी भाषी लोगों के लिए हिंदी पत्रिका वेबसाइट पर डाली जा रही है।

प्रार्थना की सेवकाई

जीसस रिडीम्स मिनिस्ट्री प्रार्थना पर बनी एक सेवकाई है। तदनुसार, जीसस रिडीम्स युथ मिनिस्ट्री हर साल 'प्रार्थना करने वाले युवाओं' को तैयार करने की दृष्टि से काम कर रही है। वर्ष **2021** और **2022** में, रिवाइवल इग्नाइटर्स के लिए शिविर आयोजित किए गए थे। इन शिविरों में भाग लेने वाले युवा प्रतिदिन कम से कम एक घंटे के लिए व्यक्तिगत रूप से प्रार्थना कर रहे हैं, समूहों में कॉन्फ्रेंस कॉल, ज़ूम, गूगल मीट और प्रेयर सेल में भी। तमिलनाडु के अलावा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मुंबई, पांडिचेरी और कर्नाटक में भी इग्नाइटर्स प्रार्थना कर रहे हैं। इसके द्वारा इस वर्ष जागृति और आत्माओं के उद्धार के लिए **3,10,351** घंटे की प्रार्थना की गई है।

नोट: जब आप भी इस तरह के प्रार्थना समूहों में शामिल होते हैं और प्रार्थना करते हैं तो हम जल्द ही हमारे देश में जागृति देख सकते हैं।